"*श्रीपराशरषट्कम्*"

■ "**वन्दे पराशराचार्यं शक्तिपुत्रं जगद्गुरुम्**" -

शिष्यं श्रीमद्वशिष्ठर्षे रघुवंशपुरोधसः।

वन्दे पराशराचार्यं शक्तिपुत्रं जगद्गुरुम् ॥१॥

#अर्थात - रघुवंश के पुरोहित श्रीसम्पन्न (ज्ञानमूर्ति) ऋषि वशिष्ठ के शिष्य, मुनि शक्ति के पुत्र और सम्पूर्ण जगत के गुरु '#आचार्य_पराशर' को मैं वन्दन करता हूँ।

राममन्त्रप्रदं श्रीमद्राममन्त्रार्थ कोविदम्।

वन्दे पराशराचार्यं शक्तिपुत्रं जगद्गुरुम् ॥२॥

#अर्थात - जो 'राम' नाम का मन्त्र प्रदान करने वाले हैं, जो ज्ञान के समुद्र तथा श्री राम-मन्त्रार्थ (राम-मन्त्र के अर्थ) का बोध कराने वाले प्रकाण्ड विद्वान हैं - ऐसे मुनि शक्ति के पुत्र और समस्त संसार के गुरु '#आचार्य_पराशर' को मैं वन्दन करता हूँ।

रामसेवारतं शश्वद् वेदव्यासस्य सद्गुरुम्।

वन्दे पराशराचार्यं शक्तिपुत्रं जगद्गुरुम् ॥३॥

#अर्थात - जो भगवान श्रीराम की सेवा में रत रहने वाला है, जो चिरस्थायी भगवान वेदव्यास के सद्गुरु हैं - ऐसे मुनि शक्ति के पुत्र और विश्वगुरु '#आचार्य_पराशर' को मैं वन्दन करता हूँ।

सिद्धेन्द्रं सिद्धिदं श्रीमद्वैष्णवधर्मबोधकम्।

वन्दे पराशराचार्यं शक्तिपुत्रं जगद्गुरुम् ॥४॥

#अर्थात - जो अत्यन्त भाग्यशाली हैं, जो (समस्त प्रकार की) सिद्धियों को प्रदान करने वाले हैं, जो श्रीमद् वैष्णव धर्म का बोध कराने वाले और जगत् के गुरु हैं - ऐसे मुनि शक्ति के पुत्र '#आचार्य_पराशर' को मैं वन्दन करता हूँ।

वेदान्तममवेत्तारं विशिष्टाद्वैतवादिनम्।

वन्दे पराशराचार्यं शक्तिपुत्रं जगद्गुरुम् ॥५॥

#अर्थात - विशिष्टाद्वैतवाद (विशिष्ट अद्वैतवाद) वेदान्त-दर्शन (ब्रह्मसूत्र) को जानने वाले मुनि शक्ति के पुत्र तथा जगद्गुरु '#आचार्य_पराशर' को मैं वन्दन करता हूँ।

मुनीन्द्रं रामनिष्ठं च जटोर्ध्वपुण्डधारकम्।

वन्दे पराशराचार्यं शक्तिपुत्रं जगद्गुरुम् ॥६ ॥

#अर्थात - जो मुनियों में श्रेष्ठ हैं, जो भगवान श्रीराम में निष्ठा रखने वाले हैं, जो सिर पर जटा और मस्तक पर ऊर्ध्वपुण्ड्र को धारण करने वाले हैं - उन मुनि शक्ति के पुत्र एवं जगद्गुरु '#आचार्य_पराशर' को मैं वन्दन करता हूँ।

- #**स्तोत्रकुसुमांजलि**